अण्डमान निकोबार द्वीप समाचार

रजि.न.34300/80 संख्या 127 श्री विजय पुरम, गुरूवार, 14 मई 2026 web: dt.andamannicobar.gov.in 2.00 रूपए

एसवीपीएमसी ने चलाया अतिक्रमण बेदखली अभियान

श्री विजय पुरम, 13 मई

सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने, पैदल यात्रियों की सुगम आवाजाही सुनिश्चित करने तथा सार्वजनिक स्थलों के उपयोग को विनियमित करने के अपने सतत प्रयासों के तहत श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद (एसवीपीएमसी) द्वारा शहर में विशेष अतिक्रमण बेदखली अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान राजकीय बालिका वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के निकट संचालित अवैध दुकानों को प्रवर्तन दल द्वारा हटाया गया। ये दुकानें सार्वजनिक स्थलों एवं गैर–वेंडिंग क्षेत्रों के उपयोग संबंधी नगरपालिका परिषद के नियमों का उल्लंघन करते हुए प्रतिबंधित क्षेत्र में स्थापित की गई थीं। नगरपालिका परिषद ने प्रतिबंधित क्षेत्रों में अवैध व्यावसायिक गतिविधियों के विरुद्ध अपनी सख्त नीति दोहराते हुए सभी विक्रेताओं एवं दुकानदारों से नगरपालिका परिषद के नियमों का पालन करने की अपील की। परिषद ने विशेष रूप से स्पष्ट किया कि रामकृष्ण मिशन से फ्लैग प्वाइंट तक का क्षेत्र 'नॉन–वेंडिंग ज़ोन' घोषित किया गया है तथा इस क्षेत्र में किसी भी प्रकार की व्यावसायिक गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी।

परिषद ने यह भी कहा कि फुटपाथों, सड़क किनारों एवं अधिसूचित गैर–वेंडिंग क्षेत्रों में अतिक्रमण के प्रति उसकी 'जीरो टॉलरेंस' नीति है। ऐसे क्षेत्रों में लगाए गए किसी भी अवैध ढांचे अथवा स्टॉल को बिना किसी अतिरिक्त सूचना के हटाया जा सकता है। श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में विक्रेताओं एवं दुकानदारों को केवल निर्धारित वेंडिंग ज़ोन में ही व्यवसाय संचालित करने तथा वैध नगरपालिका परिषद अनुमति एवं लाइसेंस रखने की सलाह दी गई। परिषद ने चेतावनी दी कि नियमों के उल्लंघन की स्थिति में सामान एवं ढांचों की तत्काल ज़ब्ती के साथ–साथ नियमानुसार दंड भी लगाया जा सकता है।

स्वच्छ, सुव्यवस्थित एवं सुगम शहरी वातावरण बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए श्री विजय पुरम नगरपालिका परिषद ने नागरिकों, विक्रेताओं एवं व्यापारिक समुदाय से सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा एवं नागरिक अनुशासन बनाए रखने में सहयोग की अपील की।

सांसद ने फरारगंज तहसील में सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त कार्यों की जांच की मांग की

श्री विजय पुरम, 13 मई

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के माननीय सांसद श्री बिष्णु पद राय ने अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन से फरारगंज तहसील में वर्ष 2011 से किए गए सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त कार्यों की समयबद्ध जांच कराने का आग्रह किया है। उन्होंने यह भी मांग की है कि किसी भी नए अभिलेख को अंतिम रूप देने से पूर्व पुराने अंतिम अभिलेखों, मानचित्रों, फील्ड बुक्स तथा वैध भू–अधिकार इतिहास के साथ अनिवार्य मिलान सुनिश्चित किया जाए।

सांसद कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि सांसद ने अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन से फरारगंज तहसील के लिए ग्रामवार सार्वजनिक स्थिति विवरण जारी करने का भी अनुरोध किया है, जिसमें अधिसूचना की तिथि, सर्वेक्षण की वर्तमान स्थिति, अभिलेख तैयार करने की स्थिति, अंतिम रूप देने की स्थिति तथा नागरिकों से संबंधित नियमित मामलों के लिए वर्तमान में ज़िम्मेदार प्राधिकरण का स्पष्ट उल्लेख हो।

उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला परिषद के लिए आर. अलगर स्वामी अध्यक्ष एवं अपर्णा रॉय उपाध्यक्षा निर्वाचित

मायाबंदर, 13 मई

उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला परिषद के पंचम वर्ष कार्यकाल (2026–2027) हेतु अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का निर्वाचन 13 मई, 2026 को उपायुक्त कार्यालय, उत्तर व मध्य अण्डमान, मायाबंदर के सम्मेलन कक्ष में आयोजित किया गया। निर्वाचन प्रक्रिया श्री सुशांत पधा (आईएएस), उपायुक्त, उत्तर व मध्य अण्डमान की देखरेख में सम्पन्न हुई।

अध्यक्ष पद के निर्वाचन में श्री आर. मदावन (भाजपा) को 06 मत प्राप्त हुए, जबकि सुंदरगढ़ निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले ज़िला परिषद सदस्य श्री आर. अलगर स्वामी (कांग्रेस) को 11 मत प्राप्त हुए और उन्हें उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला परिषद का अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया।

इसी प्रकार उपाध्यक्ष पद के निर्वाचन में श्री अशोक हलदार (कांग्रेस) को 07 मत प्राप्त हुए, जबकि किशोरी नगर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली ज़िला परिषद सदस्य श्रीमती अपर्णा रॉय (भाजपा) को 10 मत प्राप्त हुए और उन्हें उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला परिषद की उपाध्यक्षा निर्वाचित घोषित किया गया। श्री सुशांत पधा, उपायुक्त, उत्तर व मध्य अण्डमान ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को निर्वाचन प्रमाण पत्र प्रदान कर उन्हें बधाई दी। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार निर्वाचन प्रक्रिया अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह पंचायत विनियमन, 1994 के प्रावधानों के अनुसार शांतिपूर्ण एवं सुचारु रूप से सम्पन्न हुई।

ललित कला अकादमी की जनरल काउंसिल में नामांकन हेतु आवेदन आमंत्रित

कला एवं संस्कृति विभाग द्वारा द्वीपों की प्रख्यात महिला कलाकारों से आवेदन मांगे गए

श्री विजय पुरम, 13 मई

ललित कला अकादमी (नेशनल एकेडमी ऑफ आर्ट), जो भारत सरकार का संस्कृति मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्था है, ने अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन से अकादमी की जनरल काउंसिल में एक सदस्य के नामांकन हेतु तीन नामों का पैनल भेजने का अनुरोध किया है। अकादमी के ज्ञापन (मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन) की धारा 5(vii) के अनुसार नई जनरल काउंसिल के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है। इसके तहत प्रत्येक राज्य एवं केंद्रशासित प्रदेश को वर्णानुक्रम में तीन नामों की अनुशंसा करनी होगी, जिनमें कम–से–कम एक महिला का नाम शामिल होना अनिवार्य है। नामांकित व्यक्तियों का दृश्य एवं ललित कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान होना चाहिए, जिसका प्रमाण उपलब्ध अभिलेखों द्वारा समर्थित हो। साथ ही, वे पूर्व में ललित कला अकादमी की जनरल काउंसिल अथवा किसी समिति के सदस्य नहीं रहे होने चाहिए। नामित सदस्य का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा तथा अधिकतम दो गैर–लगातार कार्यकालों के लिए ही पात्रता होगी। निर्धारित समय सीमा के भीतर द्वीपों की किसी भी प्रख्यात महिला कलाकार से आवेदन प्राप्त नहीं होने के कारण, अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह की पात्र प्रख्यात महिला कलाकारों से पुनः आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक महिला उम्मीदवार अपना बायोडाटा, वर्तमान पता, संपर्क विवरण (फोन/मोबाइल नंबर एवं ईमेल आईडी) तथा संबंधित दस्तावेज़ों सहित निदेशक (कला एवं संस्कृति), अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन, सेल्यूलर जेल परिसर में अथवा **artand.culture@and.nic.in** पर ईमेल के माध्यम से 25 मई, 2026 तक भेज सकती हैं।

आवेदक पूर्व में ललित कला अकादमी की जनरल काउंसिल अथवा किसी समिति की सदस्य नहीं रही हों।

निदेशक, कला एवं संस्कृति द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह आमंत्रण केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि द्वीपों की कलात्मक भावना का उत्सव है। यह अवसर द्वीपों की किसी एक प्रख्यात कलाकार को तीन वर्षों के लिए ललित कला अकादमी की जनरल काउंसिल में अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह का प्रतिनिधित्व करने तथा राष्ट्रीय स्तर पर सृजनात्मकता एवं सांस्कृतिक संरक्षण में योगदान देने का अवसर प्रदान करेगा।

बम्बूफ्लाट में यूडीआईडी योजना पर जागृति लाई गई

श्री विजय पुरम, 13 मई

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बम्बूफ्लाट, दक्षिण अण्डमान में आज यूनिक डिसेबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) योजना पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान समाज कल्याण निदेशालय के राज्य समन्वयक (यूडीआईडी) ने प्रतिभागियों को यूडीआईडी योजना के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया। इसमें यूडीआईडी कार्ड के लाभ, पंजीकरण प्रक्रिया, दिव्यांगता प्रमाणन प्रक्रिया तथा ऑनलाइन पंजीकरण से संबंधित तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई तथा पात्र लाभार्थियों को योजना के अंतर्गत पंजीकरण कराने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

इसके अलावा दिव्यांगता प्रभारी ने दिव्यांगजनों के लिए उपलब्ध विभिन्न सरकारी योजनाओं एवं लाभों की जानकारी देते हुए इन सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने हेतु यूडीआईडी कार्ड के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बम्बूफ्लाट के

चिकित्सा अधिकारी एवं उनकी टीम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता तथा आम जनता ने भाग लिया। समाज कल्याण विभाग द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि आंगनवाड़ी एवं आशा कार्यकर्ताओं के साथ संवादात्मक सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें दिव्यांगता प्रमाणन, पंजीकरण तथा सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित उनके प्रश्नों का समाधान किया गया।

ग्राम पंचायतों में आपदा तैयारी सुदृढ़ करने हेतु प्रशिक्षण आरम्भ

श्री विजय पुरम, 13 मई

आपदा प्रबंधन निदेशालय द्वारा ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्था एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय के समन्वय से केंद्रशासित प्रदेश की ग्राम पंचायतों में आपदा तैयारी को सुदृढ़ करने हेतु पंचायत सचिवों, ग्राम स्तरीय कार्यकर्ताओं एवं ग्राम सेवकों के लिए 13 से 15 मई, 2026 तक आपदा प्रबंधन भवन के प्रशिक्षण कक्ष में तीन दिवसीय मूल आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्राम पंचायत स्तर पर तैयारी को मजबूत करना, प्रारंभिक चेतावनियों का समय पर प्रसार सुनिश्चित करना, प्रभावी निकासी एवं त्वरित प्रतिक्रिया को सक्षम बनाना है, जिससे जन एवं संपत्ति की हानि को न्यूनतम किया जा सके।

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित निदेशक (आपदा प्रबंधन) श्रीमती प्रियंका कुमारी ने सभा को संबोधित करते हुए समुदाय में आपातकालीन परिस्थितियों के दौरान ग्राम पंचायतों की प्रथम प्रतिक्रिया इकाई के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह भूकंप एवं सुनामी जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यंत संवेदनशील हैं तथा जोखिम को कम करने के लिए पंचायत स्तर पर तैयारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से प्रशिक्षण सत्रों में सक्रिय भागीदारी करने तथा अपने–अपने ग्राम पंचायतों में व्यावहारिक एवं प्रभावी आपदा प्रबंधन गतिविधियों के विकास हेतु अर्जित ज्ञान का उपयोग करने का आग्रह किया।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में आपदा प्रबंधन की मूल बातें, सामुदायिक स्तर की सुरक्षा, ग्राम पंचायत स्तरीय आपदा प्रबंधन योजना का निर्माण, खोज एवं बचाव (एसएआर), चिकित्सा प्रथमोपचार (एमएफआर) तथा अग्नि सुरक्षा जैसे प्रमुख विषय शामिल होंगे। सत्रों में सैद्धांतिक जानकारी के साथ–साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण भी शामिल है, जिसे आपदा प्रबंधन, ग्रामीण विकास, पंचायती राज संस्था एवं शहरी स्थानीय निकाय निदेशालय, स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) तथा अग्निशमन सेवा विभाग के विशेषज्ञों द्वारा संचालित किया जाएगा।

आपदा प्रबंधन निदेशालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इससे पूर्व आपदा प्रबंधन निदेशालय के सहायक निदेशक (प्रशासन) श्री जनिक राम ने उपस्थित जनसमूह का स्वागत किया, जबकि सांख्यिकी अधिकारी श्री सुदेव कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मायाबंदर में वित्तीय साक्षरता शिविर संचालित

मायाबंदर, 13 मई

खंड विकास अधिकारी कार्यालय, मायाबंदर, उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िला द्वारा पंचायत समिति, मायाबंदर के सम्मेलन कक्ष में खंड क्षेत्र के ग्रामीण समुदायों के बीच वित्तीय जागरूकता बढ़ाने एवं समावेशी बैंकिंग प्रथाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित किया गया।

भारतीय स्टेट बैंक, मायाबंदर के अधिकारियों तथा क्रिसिल फाउंडेशन के प्रतिनिधियों ने बैंक खाते खोलने, ऋण सुविधाओं तक पहुंच, डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म के उपयोग तथा प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई), प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई), प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) एवं अटल पेंशन योजना जैसी योजनाओं का लाभ उठाने संबंधी व्यावहारिक जानकारी प्रदान की।

स्वयं सहायता समूहों, ग्रामीण परिवारों एवं विभिन्न आजीविका मिशनों के लाभार्थियों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली एवं डिजिटल लेन–देन के माध्यमों को अपनाने के लिए विशेष रूप से प्रेरित किया गया।

प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि शिविर में स्वयं सहायता समूह के सदस्यों, ग्रामीणों एवं सामुदायिक नेताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो वित्तीय सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है। खंड विकास अधिकारी, मायाबंदर ने प्रशासन की वित्तीय समावेशन को मजबूत करने तथा विभिन्न योजनाओं के लाभ को ज़मीनी स्तर तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

आकाशवाणी द्वारा निकोबार लोक संगीत संध्या का आयोजन 15 मई को

श्री विजय पुरम, 13 मई

आकाशवाणी के 90 गौरवशाली वर्ष के सुअवसर पर आकाशवाणी, श्री विजय पुरम की ओर से शुक्रवार 15 मई, 2025 को शाम 6 बजे श्री विजय पुरम स्थित भारतीय मानवविज्ञान सर्वेक्षण के सभागार में 'निकोबार लोक संगीत संध्या' (संस्कृति, परम्परा और संगीत को समर्पित) का आयोजन किया गया है। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार इस अवसर पर कला एवं संस्कृति तथा आपदा प्रबंधन निदेशक श्रीमती प्रियंका कुमारी मुख्य अतिथि होंगी, जबकि टैगोर राजकीय शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मंजूलता राव सम्मानित अतिथि होंगी।

माहव्यापी थिएटर कार्यशाला के लिए रंगमंच प्रेमियों से प्रतिभागिता हेतु आवेदन आमंत्रित

श्री विजय पुरम, 13 मई

कला एवं संस्कृति निदेशालय द्वारा द्वीपों के युवाओं एवं आमजन के बीच रंगमंच कला को प्रोत्साहित करने के अपने सतत प्रयासों के तहत जून, 2026 में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के सहयोग से माहव्यापी थिएटर कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इस कार्यशाला का उद्देश्य रचनात्मकता को प्रेरित करना, अनुशासन की भावना विकसित करना तथा प्रदर्शन कला के प्रति सराहना उत्पन्न करना है, जिससे द्वीपों की सांस्कृतिक पहचान को और सशक्त बनाया जा सके।

थिएटर, नाटक एवं रंगमंच में रुचि रखने वाले द्वीपवासियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। कार्यशाला में केवल 30 प्रतिभागियों का चयन किया जाएगा। चयन प्रक्रिया राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय तथा कला एवं संस्कृति विभाग, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के अधिकारियों की चयन समिति द्वारा की जाएगी। आवेदकों की आयु 18 वर्ष से अधिक होनी चाहिए तथा उन्हें कार्यशाला में नियमित रूप से भाग लेने के प्रति प्रतिबद्ध होना आवश्यक है, ताकि प्रशिक्षण एवं अभ्यास का उच्चतम स्तर सुनिश्चित किया जा सके। प्राप्त विज्ञप्ति के अनुसार कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को अभिनय, मंच कला, वॉयस मॉड्यूलेशन, शारीरिक अभिव्यक्ति तथा नाट्य व्याख्या जैसे विषयों में गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। यह प्रशिक्षण राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में आयोजित होगा। यह कार्यशाला प्रतिभागियों के कलात्मक कौशल को निखारने के साथ–साथ उनमें आत्मविश्वास, टीम भावना एवं सांस्कृतिक जागरूकता विकसित करने में भी सहायक सिद्ध होगी। यह भारत के प्रतिष्ठित रंगमंच संस्थानों में से एक से सीखने तथा द्वीपों के जीवंत सांस्कृतिक जीवन में योगदान देने का एक दुर्लभ अवसर है। कला एवं संस्कृति विभाग ने विद्यार्थियों, युवा पेशेवरों एवं प्रदर्शन कला के प्रति रुचि रखने वाले सभी लोगों से इस कार्यशाला में उत्साहपूर्वक भाग लेने का आग्रह किया है। निदेशक, कला एवं संस्कृति द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कार्यशाला एवं आवेदन प्रक्रिया से संबंधित विस्तृत जानकारी कला एवं संस्कृति निदेशालय, अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन, सेल्यूलर जेल परिसर से प्राप्त की जा सकती है। इच्छुक व्यक्ति श्री स्वदेश पांडेय, एचजीसी से मोबाइल नंबर 9474217212 पर भी संपर्क कर सकते हैं।

युवा द्वीपवासियों के लिए 'यंग ओशन लीडर्स प्रोग्राम' सम्पन्न

श्री विजय पुरम, 13 मई

दक्षिण फाउंडेशन–एएनईटी ने अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन के सहयोग से युवा द्वीपवासियों के कौशल विकास हेतु दक्षता योजना के अंतर्गत 'यंग ओशन लीडर्स प्रोग्रामः डेटा टू एक्शन' नामक 10 दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया। पाठ्यक्रम का प्रथम बैच 30 अप्रैल से 13 मई तक राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, मंगलूटान, दक्षिण अण्डमान में कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य द्वीपों से जुड़े प्रमुख पर्यावरणीय मुद्दों की शैक्षणिक समझ को स्थानीय अनुभव आधारित शिक्षा एवं व्यावहारिक कौशल से जोड़ना था, ताकि ज़मीनी स्तर पर समस्याओं का समाधान किया जा सके। सत्रों का संचालन दक्षिण फाउंडेशन, भारतीय विज्ञान संस्थान तथा दक्षिण एंडेवर एसोसिएशन के शोधकर्ताओं एवं विशेषज्ञों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभिक दिनों में विद्यार्थियों को द्वीपों की पर्यावरणीय परिस्थितियों से अवगत कराने हेतु व्यावहारिक शिक्षण गतिविधियां आयोजित की गईं। इनमें स्थानीय क्षेत्रों का मानचित्रण, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र का अध्ययन, अपशिष्ट प्रबंधन पद्धतियों का अवलोकन, समुद्र तट पर कचरा सर्वेक्षण तथा खारे पानी के मगरमच्छों के व्यवहार को समझकर जोखिम कम करने एवं जनसुरक्षा बढ़ाने संबंधी गतिविधियां शामिल थीं।

पांचवें दिन से विद्यार्थियों ने "जूनियर रिसर्चर" की भूमिका निभाते हुए वैज्ञानिक अनुसंधान की प्रक्रिया को समझा। उन्होंने समस्याओं की पहचान, आंकड़ों का संग्रहण तथा निष्कर्षों के विश्लेषण के माध्यम से व्यवस्थित रूप से शोध कार्य करना सीखा। अपने प्रोजेक्ट्स के लिए विद्यार्थियों ने प्लास्टिक प्रदूषण, पारिस्थितिकी तंत्र क्षरण, जैव विविधता में कमी तथा सतत वास्तुकला जैसे विषयों का चयन किया।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पाठ्यक्रम के अंतिम दो दिनों में विद्यार्थियों को अपने आसपास के मुद्दों पर कार्रवाई करने के लिए पत्र लेखन, जागरूकता अभियान तैयार करने तथा समुद्र तट स्वच्छता अभियान जैसे कार्यक्रमों की योजना बनाने संबंधी कौशल सिखाए गए। पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा करने पर विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। कार्यक्रम ने युवाओं को पर्यावरण अनुसंधान एवं संरक्षण से जुड़े उच्च शिक्षा तथा कॅरियर के उभरते अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

स्वास्थ्य कर्मियों को स्तन कैंसर की प्रारंभिक पहचान हेतु दिया गया विशेष प्रशिक्षण

श्री विजय पुरम, 12 मई

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह चिकित्सा संस्थान (अनिम्स) के सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कर्मियों के लिए स्तन कैंसर की प्रारंभिक पहचान पर केंद्रित एक दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त **MammaCare®** सिमुलेशन मॉडल के माध्यम से आयोजित पहला प्रशिक्षण कार्यक्रम रहा।

नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट एवं नेशनल साइंस फाउंडेशन (अमेरिका) के सहयोग से वर्षों के शोध के आधार पर विकसित एवं प्रमाणित **MammaCare®** मॉडल में वास्तविक स्तन ऊतकों जैसी स्पर्श अनुभूति वाले सिमुलेशन मॉडल का उपयोग किया जाता है, जिससे प्रशिक्षुओं को 0.5 सेंटीमीटर तक के संदिग्ध गांठों की सटीक पहचान करने में सहायता मिलती है। प्रशिक्षण के परिणामों में स्वास्थ्यकर्मियों की पहचान क्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखा गया, जो 24 प्रतिशत से बढ़कर 83 प्रतिशत तक पहुंच गया। यह उपलब्धि प्रारंभिक निदान के माध्यम से जीवनरक्षक सिद्ध हो सकती है।

'अनिम्स' द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार प्रशिक्षण का संचालन सामुदायिक चिकित्सा विभाग के डॉ. अजय राज एस., डॉ. समर हुसैन, डॉ. आंचल आनंद एवं डॉ. मितुल साहा द्वारा किया गया। प्रतिभागियों के कौशल एवं ज्ञान में वृद्धि का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करने के लिए कार्यक्रम में प्री–टेस्ट एवं पोस्ट–टेस्ट का आयोजन भी किया गया।

शत्रु संपत्ति की ई–नीलामी के संबंध में बैठक 15 मई को

श्री विजय पुरम, 13 मई

सभी प्रॉपर्टी डीलरों, चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष/सदस्यों, संभावित बोलीदाताओं एवं आम जनता को सूचित किया जाता है कि शत्रु संपत्ति अभिरक्षक कार्यालय द्वारा 15 मई, 2026 को सुबह 10 बजे उपायुक्त कार्यालय, दक्षिण अण्डमान, श्री विजय पुरम के सम्मेलन कक्ष में बैठक आयोजित की जाएगी। यह बैठक प्लॉट संख्या 111/1, अबर्डीन बाज़ार, तहसील श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान स्थित शत्रु संपत्ति की प्रस्तावित ई–नीलामी के संबंध में आयोजित की जा रही है।

भारत सरकार का गृह मंत्रालय के अधिकारी आम जनता एवं संभावित प्रॉपर्टी डीलरों/बोलीदाताओं को ई–नीलामी प्रक्रिया एवं उससे संबंधित नियमों की जानकारी देंगे। इसका उद्देश्य 25 मई, 2026 को प्रस्तावित ई–नीलामी में अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करना है। मुख्यालय के सहायक आयुक्त द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में सभी इच्छुक व्यक्तियों से बैठक में उपस्थित होकर ई–नीलामी की सफलता में योगदान देने का आग्रह किया गया है।

एमजीजीसी के विद्यार्थियों के बीच साइबर जागरूकता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व को बढ़ावा दिया गया

मायाबंदर, 13 मई

उत्तर व मध्य अण्डमान ज़िले की मायाबंदर थाना टीम द्वारा 11 मई, 2026 को महात्मा गांधी राजकीय महाविद्यालय (एमजीजीसी), मायाबंदर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत संवादात्मक चर्चाओं एवं प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशा दुरुपयोग, शराब पीकर वाहन चलाने तथा साइबर अपराधों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता उत्पन्न की गई।

कार्यक्रम में 150 से अधिक विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा जानकारीपूर्ण एवं रोचक प्रस्तुति का लाभ उठाया। प्रभावशाली प्रस्तुति के माध्यम से पुलिस टीम ने उपस्थित लोगों को मादक पदार्थों के सेवन, गैर–ज़िम्मेदाराना वाहन संचालन तथा ऑनलाइन धोखाधड़ी के गंभीर परिणामों के प्रति संवेदनशील बनाया। साथ ही, ज़िम्मेदार आचरण एवं कानून के पालन के महत्व पर भी विशेष बल दिया गया। उत्तर व मध्य अण्डमान के पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि इस पहल का उद्देश्य युवाओं को शिक्षित एवं जागरूक करना, सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करना तथा सुरक्षित, स्वस्थ एवं साइबर–जागरूक समाज के निर्माण हेतु सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना है।

द्वीपों में तेज हवाओं के साथ भारी वर्षा की चेतावनी

श्री विजय पुरम, 13 मई

आपदा प्रबंधन निदेशालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 14, 15, 16, 17, 18 एवं 19 मई को अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में एक या दो स्थानों पर भारी वर्षा (07 से 11 सेंटीमीटर) होने की संभावना है। साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं एवं वज्रपात के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने की भी संभावना जताई गई है। इसके अतिरिक्त अण्डमान तथा निकोबार तट के आसपास एवं समुद्र में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने तथा कभी–कभी इनके 60 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। मछुआरों को 14 से 19 मई तक अण्डमान तथा निकोबार तट के आसपास एवं समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गई है।

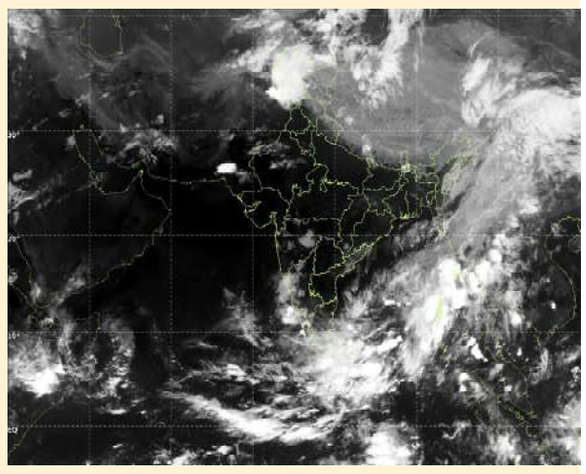

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर चित्रकला प्रतियोगिता

श्री विजय पुरम, 13 मई

द्वीपीय जैव विविधता पर ईआईएसीपी केंद्र तथा भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, अण्डमान तथा निकोबार क्षेत्रीय केंद्र द्वारा अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस–2026 के उपलक्ष्य में 'वैश्विक प्रभाव हेतु स्थानीय स्तर पर कार्य' विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता का उद्देश्य जैव विविधता हानि को रोकने तथा कुनमिंग–मॉन्ट्रियल वैश्विक जैव विविधता रूपरेखा के लक्ष्यों को प्राप्त करने में स्थानीय प्रयासों, सामुदायिक सहभागिता एवं व्यक्तिगत योगदान की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है। पुनः उपयोग योग्य सामग्रियों से शिल्प निर्माण प्रतियोगिता 19 मई को तथा चित्रकला प्रतियोगिता 20 मई को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक आयोजित की जाएगी।

भारतीय प्राणी सर्वेक्षण द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि इच्छुक विद्यार्थी, शिक्षक, शोधार्थी एवं वैज्ञानिक 19 एवं 20 मई को हैडो स्थित भारतीय प्राणी सर्वेक्षण कार्यालय में उपस्थित हो सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु 03192–242390, 233148 पर संपर्क किया जा सकता है अथवा **eiacpportblair@gmail.com** पर ईमेल भेजा जा सकता है।

पुलिस द्वारा सशस्त्र पुलिस इकाई, पुलिस लाइन में "उड़ान समर कैंप–2026" का आयोजन

श्री विजय पुरम, 13 मई

अण्डमान तथा निकोबार पुलिस की सशस्त्र पुलिस इकाई (एपीयू) द्वारा पुलिस कर्मियों के बच्चों तथा आम जनता के लिए कल्याण एवं सामुदायिक सहभागिता पहल के अंतर्गत "उड़ान समर कैंप–2026" का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 18 मई, 2026 से 17 जून, 2026 तक एपीयू पुलिस लाइन में निःशुल्क आयोजित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य ग्रीष्मावकाश के दौरान बच्चों एवं युवाओं को रचनात्मक, रोचक एवं ज्ञानवर्धक मंच प्रदान करना है, जिसमें सृजनात्मकता, स्वास्थ्य, शिक्षा, अनुशासन तथा समग्र व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जाएगा। "समर कैंप वह स्थान है, जहां सीखने के साथ रोमांच जुड़ता है, आत्मविश्वास विकसित होता है और यादें जीवनभर साथ रहती हैं"–इसी प्रेरणादायक भावना के साथ आयोजित यह एक माह का कार्यक्रम सभी प्रतिभागियों के लिए आनंददायक एवं सार्थक अनुभव प्रदान करेगा। शिविर को विभिन्न आयु वर्गों एवं रुचियों को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार तैयार किया गया है कि इसके माध्यम से सहभागियों का समग्र विकास हो सके। इसके अंतर्गत विविध संवादात्मक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं खेलकूद आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी पेशेवर, प्रशिक्षक एवं विशेषज्ञ प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे। गतिविधियों का उद्देश्य शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक संतुलन, रचनात्मकता, टीम भावना, आत्मविश्वास तथा सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। खेल एवं मनोरंजक गतिविधियों के अतिरिक्त प्रतिभागियों के लाभ हेतु विशेष कॅरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों की सूची निम्नानुसार हैः

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	आयु वर्ग	संभावित समय–सारणी	स्थान
1	एथलेटिक्स	08 वर्ष से 17 वर्ष	शाम 3.30 बजे से शाम 5.30 बजे तक	नेताजी स्टेडियम
2	शतरंज	08 वर्ष से 17 वर्ष	सुबह 9.30 बजे से सुबह 10.30 बजे तक	पुलिस लाइन
3	क्रिकेट	08 वर्ष से 17 वर्ष	शाम 3.30 बजे से शाम 5 बजे तक	नेताजी स्टेडियम
4	फुटबॉल	08 वर्ष से 17 वर्ष	शाम 3.30 बजे से शाम 5 बजे तक	नेताजी स्टेडियम
5	वॉलीबॉल	08 वर्ष से 17 वर्ष	शाम 3.30 बजे से शाम 5 बजे तक	पुलिस लाइन
6	बैडमिंटन	08 वर्ष से 17 वर्ष	सुबह 9.30 बजे से सुबह 11 बजे तक	मरीन डॉकयार्ड
7	योग/ध्यान	08 वर्ष से अधिक आयु, वयस्क सहित	सुबह 6.30 बजे से सुबह 8.30 बजे तक	पुलिस लाइन
8	वाद्य यंत्र प्रशिक्षण	08 वर्ष से अधिक आयु	शाम 3 बजे से शाम 4.30 बजे तक	पुलिस लाइन
9	संगीत एवं नृत्य	08 वर्ष से अधिक आयु	शाम 3 बजे से शाम 4.30 बजे तक	पुलिस लाइन
10	सिलाई प्रशिक्षण	वयस्क आयु वर्ग	सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक	पुलिस लाइन
11	मुक्केबाजी	08 वर्ष से 17 वर्ष	शाम 3.30 बजे से शाम 4.30 बजे तक	पुलिस लाइन
12	चित्रकला	08 वर्ष से 16 वर्ष	सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक	पुलिस लाइन
13	रेखाचित्र कला	08 वर्ष से 16 वर्ष	दोपहर 12 बजे से दोपहर 1 बजे तक	पुलिस लाइन

सत्रों का आयोजन कार्यदिवसों एवं शनिवार को पुलिस लाइन तथा नेताजी स्टेडियम सहित विभिन्न स्थलों पर किया जाएगा, जिससे सभी प्रतिभागियों को सुविधा एवं सुगम पहुंच सुनिश्चित हो सके। इच्छुक व्यक्तियों से अनुरोध किया गया है कि वे कार्य दिवसों में सुबह 9 बजे से सायं 6 बजे तक पुलिस लाइन स्थित पुलिस परिवार कल्याण केंद्र के प्रभारी के पास अपना पंजीकरण कराएं। शिविर में सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु विधिवत भरे हुए पंजीकरण प्रपत्र, अभिभावकों/संरक्षकों की सहमति पत्र सहित, 16 मई, 2026 (दोपहर) तक अनिवार्य रूप से जमा करने होंगे। किसी भी प्रकार की जानकारी अथवा स्पष्टीकरण के लिए इच्छुक व्यक्ति आधिकारिक हेल्पलाइन नंबर 9933297697 (पुलिस लाइन) पर संपर्क कर सकते हैं। प्राप्त विज्ञप्ति में अण्डमान तथा निकोबार पुलिस ने पुलिस कर्मियों के बच्चों तथा आम जनता से "उड़ान समर कैंप–2026" में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया है, ताकि वे ग्रीष्मावकाश के दौरान समग्र शिक्षा, व्यक्तित्व विकास एवं सकारात्मक गतिविधियों के इस विशेष अवसर का अधिकतम लाभ उठा सकें।

बिल्लीग्राउंड थाना द्वारा 24 केस संपत्तियों का निस्तारण

मायाबंदर, 13 मई

कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा न्याय प्रशासन को प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मध्य अण्डमान की बिल्लीग्राउंड थाना द्वारा 11 मई, 2026 को कार्यपालक मजिस्ट्रेट, मायाबंदर की उपस्थिति में कुल 24 केस संपत्तियों का निस्तारण किया गया। यह कार्रवाई उप मंडलीय मजिस्ट्रेट, मायाबंदर द्वारा जारी आदेश संख्या 06 दिनांक 28 अप्रैल, 2026 के अनुसार की गई।

उत्तर व मध्य अण्डमान पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि निस्तारित संपत्तियों में एनडीपीएस अधिनियम से संबंधित 01 मामला, अप्राकृतिक मृत्यु (यूडी) से संबंधित 11 मामले तथा आबकारी विनियमों के अंतर्गत 12 मामले शामिल थे। जिन मामलों का निपटारा माननीय न्यायालय द्वारा किया जा चुका था, उनसे संबंधित केस संपत्तियों का विधि द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं एवं प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के अनुसार निस्तारण किया गया।

फायरिंग अभ्यास

श्री विजय पुरम, 13 मई

सभी संबंधितों को सूचित किया गया है कि अण्डमान तथा निकोबार पुलिस के राजपत्रित अधिकारियों, उच्च एवं निम्न अधीनस्थ कर्मियों का स्मॉल आर्म्स रेंज फायरिंग अभ्यास 16, 19, 21 एवं 23 मई, 2026 को सुबह 5 बजे से दोपहर 1 बजे तक नेताजी सुभाष चंद्र बोस पुलिस प्रशिक्षण संस्थान, पुलिस फायरिंग रेंज, प्रोथरापुर में आयोजित किया जाएगा। दक्षिण अण्डमान के ज़िलाधीश द्वारा जारी अधिसूचना में आम जनता, विशेषकर बर्ड लाइन एवं प्रोथरापुर क्षेत्र के ग्रामीणों को सतर्क रहने तथा निर्धारित तिथि एवं समय पर फायरिंग रेंज से स्वयं एवं अपने पालतू पशुओं/जानवरों को दूर रखने की सलाह दी गई है।

सूचना, प्रचार और पर्यटन निदेशालय द्वारा प्रकाशित तथा प्रबन्धक, राजकीय मुद्रणालय द्वारा मुद्रित, वितरण तथा विज्ञापन के लिए फोन–229465, प्रधान सम्पादक (प्रभारी) पी. कैरल डी. सोणी
e-mail:dweepsamachar@gmail.com

सार्वजनिक सूचना

(संयुक्त विद्युत नियामक आयोग (गोवा राज्य एवं केन्द्रशासित प्रदेशों के लिए) (पारेषण एवं वितरण लाइसेंसिंग) विनियम, 2020 के विनियम 12 के अंतर्गत)

कंपनी अधिनियम, 1956 के अंतर्गत एनटीपीसी इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी लिमिटेड एक पंजीकृत लिमिटेड कंपनी है तथा इसका पंजीकृत कार्यालय एनटीपीसी भवन, कोर–7, स्कोप कॉम्प्लेक्स, 7, इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नई दिल्ली–110003 में स्थित है।

एनटीपीसी इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी लिमिटेड ने विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 14 एवं 15 के अंतर्गत तथा संयुक्त विद्युत नियामक आयोग (गोवा राज्य एवं केन्द्रशासित प्रदेशों के लिए) (पारेषण एवं वितरण लाइसेंसिंग) विनियम, 2020 के प्रावधानों के अनुसार ग्रेट निकोबार द्वीप, केन्द्रशासित प्रदेश अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में पारेषण प्रणाली की स्थापना एवं अनुरक्षण हेतु पारेषण लाइसेंस प्रदान किए जाने के लिए संयुक्त विद्युत नियामक आयोग के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया है। नीचे इसका सार प्रस्तुत है :

क्र.सं.	लाइन / उप–स्टेशन का नाम	स्थान	डीपीआर के अनुसार तकनीकी विवरण
1	132 केवी भूमिगत केबलिंग	SS-1 से SS-2	6.5 किमी
2	132 केवी भूमिगत केबलिंग	SS-2 से SS-4	22.7 किमी
3	132 / 33 केवी गैस इन्सुलेटेड उप–स्टेशन–2	गांधी नगर	132 केवी, 2000 ए, सहित 132 / 33 केवी ट्रांसफॉर्मर
4	132 / 33 केवी गैस इन्सुलेटेड उप–स्टेशन–4	कैम्पबेल बे	132 केवी, 2000 ए, सहित 132 / 33 केवी ट्रांसफॉर्मर एवं रिएक्टर

उक्त आवेदन एवं सभी संबंधित दस्तावेज निम्नलिखित पतों पर निरीक्षण हेतु उपलब्ध हैं :

मुख्यकार्यकारी अधिकारी,
एनटीपीसी इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी लिमिटेड
एनटीपीसी इंजीनियरिंग ऑफिस कॉम्प्लेक्स,
5वीं मंजिल, केबिन सं.–2,
प्लॉट सं.– ए–8ए, सेक्टर–24, नोएडा,
उत्तर प्रदेश–201301
दूरभाष : 0120–4947219

परियोजना प्रमुख (GNI),
एनटीपीसी लिमिटेड
5 मेगावाट सौर संयंत्र, गाराचरमा,
श्री विजय पुरम,
अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह–744105
दूरभाष : 03192–291416

पूरा आवेदन एनटीपीसी की वेबसाइट www.ntpc.co.in/notices में पर भी उपलब्ध है और निःशुल्क डाउनलोड किया जा सकता है। यदि उपरोक्त आवेदन के संबंध में किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति या सुझाव हो, तो समाचार पत्र में प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर सचिव, संयुक्त विद्युत नियामक आयोग को नीचे दिए गए पते पर प्रस्तुत की जा सकती है, जिसकी एक प्रति आवेदक को उपरोक्त पतों भी भेजी जानी होगी।

सचिव,
संयुक्त विद्युत नियामक आयोग (गोवा राज्य एवं केन्द्रशासित प्रदेशों के लिए)
तीसरी एवं चौथी मंजिल, प्लॉट सं. 55–56, पाथकाइंड लैब बिल्डिंग,
सेक्टर–18, उद्योग विहार, फेज–4, गुरुग्राम, हरियाणा–122015
ई मेल : secy.jercuts@gov.in

ह./–
देवेन्द्र गोयल
मुख्य कार्यकारी अधिकारी

स्थान : नोएडा
दिनांक 11.05.2026

उप वन संरक्षक का कार्यालय, मिल प्रभाग, चाथम

ई–निविदा आमंत्रण सूचना

उप वन संरक्षक, मिल डिवीजन, चाथम, पर्यावरण एवं वन विभाग, श्री विजय पुरम द्वारा पात्र एवं वास्तविक ठेकेदारों / फर्मों, जिनके विरुद्ध कोई प्रतिकूल टिप्पणी दर्ज न हो, से निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्नानुसार है :

NIT No	No.76/Genl/MD/2025-26/Furniture Showroom at GSM/107] दिनांक 12 / 05 / 2026
कार्य का नाम	राजस्व साझेदारी के आधार पर सरकारी आरा मिल, चाथम में लकड़ी के फर्नीचर एवं अन्य लकड़ी उत्पादों के जमा कार्यों का आउटसोर्सिंग।
बयाना राशि	रु. 53,379 / –
कार्य पूरा करने की अवधि	12 (माह)
बिड जमा करने की अंतिम तिथि	02 / 06 / 2026 के अपराहन 15.30 बजे।
बिड खोलने की तिथि	03 / 06 / 2026 के पूर्वाहन 11.30 बजे।
टेंडर आईडी संख्या	2026_DCFMD_23004_1

टेंडर का विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।
कार्य का दायरा : ठेकेदार / फर्म को GSM चाथम परिसर में आम जनता के लिए लकड़ी से बने सामान, फर्नीचर एवं अन्य संबंधित वस्तुओं का निर्माण करना होगा। यह कार्य GSM चाथम के साथ राजस्व साझेदारी के आधार पर किया जाएगा।
पात्रता मानदंड : केवल वे लघु उद्योग (SSI) इकाइयाँ, जो अण्डमान तथा निकोबार प्रशासन में पंजीकृत हों, निविदा प्रक्रिया में भाग लेने के लिए पात्र होंगी।
चयन की विधि : न्यूनतम आधार दर 15 प्रतिशत के अधीन, सरकार को सर्वाधिक राजस्व हिस्सेदारी प्रदान करने वाले बोलीदाता का चयन किया जाएगा।

वन उप संरक्षक, मिल प्रभाग, चाथम

रिक्ति सूचना

मिशन वात्सल्य योजना के अंतर्गत विशेष दत्तक ग्रहण एजेंसी (एसएए) में **प्रबंधक / समन्वयक, सामाजिक कार्यकर्ता–सह–प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षक, नर्स, डॉक्टर (अंशकालिक), आया और चौकीदार** के पदों के लिए पात्र उम्मीदवारों से संविदात्मक आधार पर आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। यह नियुक्ति उप आयुक्त कार्यालय, उत्तर व मध्य अण्डमान जिला, मायाबंदर के अधीन है।
आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 30.05.2026 निर्धारित की गई है।
इच्छुक उम्मीदवार (www.andaman.gov.in) और (https://northmiddle.andaman.nic.in) से रिक्ति सूचना डाउनलोड कर सकते हैं और सीधे या डाक द्वारा निम्नलिखित पते पर आवेदन कर सकते हैं–
भूतल मेल–
जिला बाल संरक्षण अधिकारी,
जिला बाल संरक्षण इकाई,
उपायुक्त कार्यालय,
उत्तर व मध्य अण्डमान जिला, मायाबंदर
पिनः 744204, फोनः 03192–273127

सहायक आयुक्त (मुख्यालय),
उत्तर व मध्य अण्डमान, मायाबंदर

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रमुख, पंचायत समिति, प्रात्रापुर की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।
एन. आई. टी. संख्या : क.अ. / पी आर आई / एस ए डी–।/ आर आर(जीईएन) / 2026–27 / 11
कार्य का नाम : प्रात्रापुर पंचायत समिति द्वारा न्यू बिम्बलिटान 04 में मुख्य सड़क से न्यू बिम्बलिटान चर्च तक ग्रामीण सड़क की मरम्मत और रखरखाव (दूसरा कॉल)।
अनुमानित लागत : रु. 13,23,262 / –, धरोहर राशि : रु. 26,465 / –, कार्य समाप्ति की अवधि : (06) छह माह।
निविदा शुल्क : रु. 500 / –, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 20 / 05 / 2026 के सायं 3.00 बजे तक।
निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।
टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_22831_2

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

ई–निविदा सूचना

कार्यपालक अभियंता, पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान, प्रधान, ग्राम पंचायत, बम्बूफ्लाट–।। की ओर से, निम्नलिखित कार्यों के लिए उचित श्रेणी के योग्य व अनुभवी ठेकेदारो से मुहरबंद मद दर (के.लो.नि.वि.–8 के प्रपत्र के रूप में) आमंत्रित करते है।
एन. आई. टी. संख्या : क.अ. / पी आर आई / एस ए डी–।/ जीईएन / 2026–27 / 41
कार्य का नाम : बम्बूफ्लाट–।।, ग्राम पंचायत के अंर्तगत वल्लुवर नगर में खेल के मैदान का विकास।
अनुमानित लागत : रु. 8,60,203 / –, धरोहर राशि : रु. 17,204 / –, कार्य समाप्ति की अवधि : (04) चार माह।
निविदा शुल्क : रु. 500 / –, बोली प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि : 22 / 05 / 2026 के अपराहन 3.00 बजे तक।
निविदा प्रपत्र और अन्य विवरण वेबसाइट https://eprocure.andamannicobar.gov.in से प्राप्त किए जा सकते हैं।
टेंडर आई डी : 2026_RDPRI_23007_1

कार्यपालक अभियंता,
पंचायती राज संस्थान, दक्षिण अण्डमान मण्डल–।,
जंगलीघाट, श्री विजय पुरम, दक्षिण अण्डमान

अब हर साल सात जून को जारी होंगे जीडीपी के आंकड़े

नई दिल्ली, 13 मई।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आंकड़ों को जारी करने की समय–सीमा में संशोधन किया है। सरकार ने बीते वित्त वर्ष 2025–26 और मार्च तिमाही के जीडीपी के आंकड़ों की प्रकाशन तिथि को मई के आखिरी कार्यदिवस से संशोधित कर अब 7 जून कर दिया है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि हर साल वार्षिक जीडीपी के अनंतिम अनुमान और चौथी तिमाही के आंकड़े मई के अंतिम कार्य दिवस के बजाय अब 7 जून को जारी किए जाएंगे। मंत्रालय के मुताबिक यदि सात जून को अवकाश रहता है, तो आंकड़े उससे पहले वाले कार्य दिवस पर जारी किए जाएंगे।

मंत्रालय के मुताबिक जीडीपी के आंकड़ों की गुणवत्ता को और बढाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी सलाहकार समिति (एसीएनएएस) से उचित परामर्श के बाद प्रकाशन की तिथि में संशोधन किया गया है। प्रकाशन तिथि में संशोधन की आवश्यकता इसलिए हुई क्योंकि कुछ महत्वपूर्ण आंकड़े दो महीने तक की देरी से उपलब्ध होते हैं। विशेष रूप से, सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा लेखापरीक्षित चौथी तिमाही और वार्षिक वित्तीय परिणाम दाखिल करने की वैधानिक समय–सीमा वित्त वर्ष की समाप्ति से 60 दिन है, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में कंपनियां 31 मई की समय–सीमा के करीब अपने वित्तीय विवरण प्रस्तुत करती हैं। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने कहा कि इसके अलावा केंद्र सरकार के खातों के संबंध में मार्च महीने के राजस्व व्यय, पूंजीगत व्यय, करों, सब्सिडी और ब्याज भुगतान से संबंधित प्रमुख राजकोषीय आंकड़े अंतिम रूप दिए जाने के बाद दो महीने की देरी से उपलब्ध होते हैं। इसके मद्देनजर राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों को जारी करने की समय–सीमा में संशोधन किया है।

देश में बड़ी बिल्लियों के संरक्षण पर पांच थीम आधारित कार्यक्रम आयोजित करेगी केंद्र सरकार

नई दिल्ली, 13 मई।

केंद्र सरकार देश में बड़ी बिल्लियों के संरक्षण को बढ़ावा देने और इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस के उद्देश्यों को सामने रखने के लिए पांच बिंदुओं की थीम आधारित कार्यक्रम आयोजित करेगी। इन कार्यक्रमों में बाघ, एशियाई शेर, तेंदुआ, हिम तेंदुआ और चीता संरक्षण से जुड़े प्रयासों, उपलब्धियों और चुनौतियों को प्रदर्शित किया जाएगा।

केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ये कार्यक्रम इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस शिखर सम्मेलन–2026 से पहले देश के विभिन्न राज्यों में आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रमों का आयोजन गुजरात के गिर, मध्य प्रदेश के भोपाल, ओडिशा के भुवनेश्वर, सिक्किम के गंगटोक और महाराष्ट्र के चंद्रपुर में किया जाएगा।

गिर में एशियाई शेर संरक्षण कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें प्रोजेक्ट लायन, वैज्ञानिक निगरानी प्रणाली, आवास सुधार और मालधारी समुदाय की भूमिका को रेखांकित किया जाएगा। चंद्रपुर में बाघ संरक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रोजेक्ट टाइगर, वन्यजीव गलियारों की सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली और मानव–बाघ संघर्ष कम करने के प्रयासों को प्रदर्शित किया जाएगा।

भुवनेश्वर में तेंदुआ संरक्षण और जैव विविधता अंतरराष्ट्रीय दिवस से जुड़ा कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें मानव–वन्यजीव संघर्ष कम करने, बचाव तंत्र मजबूत करने और सह–अस्तित्व को बढ़ावा देने पर चर्चा होगी। गंगटोक में हिम तेंदुआ संरक्षण कार्यक्रम के दौरान हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों और स्थानीय समुदायों की भागीदारी पर जोर दिया जाएगा।

भोपाल में चीता संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों के पुनर्वास, घासभूमि पारिस्थितिकी तंत्र के विकास और वैज्ञानिक निगरानी प्रणाली पर चर्चा होगी।

मंत्रालय के अनुसार, इंटरनेशनल बिग कैट अलायंस भारत की पहल पर शुरू किया गया वैश्विक मंच है, जिसका उद्देश्य दुनिया की सात प्रमुख बड़ी बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करना है।

अल्पसंख्यक कल्याण में एआई आधारित समावेशी विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगा मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 मई।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय 14 मई 2026 को "भागीदारी से भाग्योदय" की परिकल्पना के तहत "अल्पसंख्यक कल्याण –विकसित भारत के लिए एआई के माध्यम से समावेशी विकास" विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित करेगा। सम्मेलन का उद्देश्य समावेशी शासन को मजबूत करना, नीतिगत पहुंच बढ़ाना और देशभर में अल्पसंख्यक समुदायों के लिए प्रौद्योगिकी आधारित कल्याणकारी पहलों को प्रोत्साहित करना है।

मंत्रालय के अनुसार, यह सम्मेलन विकसित भारत के विजन के अनुरूप सहभागी विकास और सहकारी संघवाद के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सम्मेलन में केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, वरिष्ठ अधिकारियों, सचिवों तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम के दौरान मंत्रालय की कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर हितधारकों के साथ विचार–विमर्श और परामर्श किया जाएगा।

इस सम्मेलन का उद्देश्य केंद्र और राज्यों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना, सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान–प्रदान करना और सहयोगात्मक चर्चाओं के माध्यम से अल्पसंख्यक समुदायों तक योजनाओं की पहुंच, पारदर्शिता और लाभ सुनिश्चित करना है।

अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय ने शासन, सेवा वितरण और सार्वजनिक नीति में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए अग्रणी एआई कंपनियों को भी सम्मेलन में आमंत्रित किया है। सम्मेलन में कल्याणकारी कार्यक्रमों की दक्षता, निगरानी और क्रियान्वयन में एआई की भूमिका पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएंगे।

चर्चाओं में डेटा आधारित योजना निर्माण, लाभार्थियों की बेहतर पहचान, निगरानी तंत्र को मजबूत करने और नागरिक–केंद्रित शासन को बढ़ावा देने के लिए एआई आधारित समाधानों के उपयोग पर विशेष फोकस रहेगा।

मंत्रालय का मानना है कि यह सम्मेलन प्रौद्योगिकी–सक्षम और समावेशी अल्पसंख्यक कल्याण के लिए एक दूरदर्शी कार्ययोजना तैयार करने में मदद करेगा। साथ ही यह राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सभी समुदायों की समान भागीदारी और सशक्त विकास के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को और मजबूत करेगा। (इनपुट–पीआईबी)

हॉकी इंडिया ने नए शहरों तक बढ़ाया लेवल–1 कोचिंग कोर्स का दायरा, 600 से अधिक कोच हुए प्रमाणित

नई दिल्ली, 13 मई।

भारतीय हॉकी में जमीनी स्तर पर तकनीकी विकास को मजबूत करने और कोचिंग मानकों को बेहतर बनाने की दिशा में हॉकी इंडिया ने 'हॉकी इंडिया कोचिंग एजुकेशन पाथवे लेवल–1' कोचिंग कोर्स के नए शेड्यूल की घोषणा की है। इस बार कार्यक्रम का विस्तार नए शहरों तक किया गया है, जिससे देशभर में इसकी पहुंच और प्रभाव बढ़ेगा।

हॉकी इंडिया के अनुसार यह कोर्स मई और जून 2026 के दौरान तमिलनाडु के कोयंबटूर और उत्तराखंड के हरिद्वार में विभिन्न बैचों में आयोजित किया जाएगा। कोर्स के लिए पंजीकरण प्रक्रिया 13 मई से शुरू होकर 17 मई तक चलेगी।

हॉकी इंडिया कोचिंग एजुकेशन पाथवे कार्यक्रम की शुरुआत से लेकर अब तक, यानी 2019 से 2026 के बीच, देशभर में 600 से अधिक कोच औपचारिक रूप से प्रमाणित किए जा चुके हैं। यह आंकड़ा भारतीय हॉकी में मजबूत घरेलू कोचिंग ढांचा तैयार करने की दिशा में महासंघ की पहल को दर्शाता है।

यह कार्यक्रम कोचों को ग्रासरूट स्तर से लेकर हाई–परफॉर्मेंस और अंतरराष्ट्रीय स्तर तक विकसित करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसमें ऑनलाइन मॉड्यूल और प्रत्यक्ष प्रशिक्षण सत्रों का संयोजन रखा गया है, ताकि प्रतिभागियों को आधुनिक कोचिंग तकनीकों की बेहतर समझ मिल सके। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान रानी, जो स्वयं इस कार्यक्रम का हिस्सा रह चुकी हैं और एफआईएच अकादमी लेवल–3 प्रमाणित कोच हैं, ने इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा, "एक खिलाड़ी से कोच बनने का सफर अलग होता है और इस कार्यक्रम ने उस बदलाव में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे आधुनिक कोचिंग तकनीकों, रणनीतिक योजना और खिलाड़ियों के प्रबंधन को समझने में काफी मदद मिली।" उन्होंने आगे कहा, "घरेलू हॉकी ढांचे के लिए यह कार्यक्रम गेम–चेंजर साबित हो रहा है। इससे देशभर के कोच एक समान तकनीकी भाषा और सोच के साथ काम कर पा रहे हैं।"

अब तक प्रमाणित कोचों का आंकड़ा–
हॉकी इंडिया लेवल–1 प्रमाणित कोच– 337
हॉकी इंडिया लेवल–2 प्रमाणित कोच– 54
एफआईएच अकादमी लेवल–1 प्रमाणित कोच– 80
एफआईएच अकादमी लेवल–2 प्रमाणित कोच– 57
एफआईएच अकादमी लेवल–3 प्रमाणित कोच– 74
एफआईएच अकादमी हाई–परफॉर्मेंस (लेवल–4) प्रमाणित कोच– 4

इतिहास के पन्नों में 14 मईः भारत ने श्रीलंका के विद्रोही संगठन लिट्टे पर लगाया प्रतिबंध

नई दिल्ली, 13 मई।

भारत और विश्व इतिहास में 14 मई का दिन कई महत्वपूर्ण घटनाओं के लिए याद किया जाता है। भारत के संदर्भ में यह तारीख विशेष रूप से इसलिए अहम है क्योंकि इसी दिन वर्ष 1992 में भारत सरकार ने श्रीलंका के उग्रवादी संगठन लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम यानी लिट्टे पर प्रतिबंध लगाया था।

भारत सरकार ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत 14 मई 1992 को लिट्टे को प्रतिबंधित संगठन घोषित किया। यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए उठाया गया था। लिट्टे लंबे समय तक श्रीलंका में अलग तमिल राष्ट्र की मांग को लेकर हिंसक गतिविधियों में शामिल रहा था।

श्रीलंका सरकार और लिट्टे के बीच संघर्ष के दौरान भारत ने शांति स्थापना के उद्देश्य से भारतीय शांति सेना (प्च्ज्थ्) को श्रीलंका भेजा था। हालांकि वहां हालात बेहद जटिल हो गए और भारतीय सेना को कई बार बल प्रयोग भी करना पड़ा। इस संघर्ष में बड़ी संख्या में सैनिकों की जान गई थी। भारत के अलावा यूरोपियन यूनियन, कनाडा और अमेरिका जैसे देशों ने भी लिट्टे को प्रतिबंधित संगठन घोषित किया था। संगठन पर आतंकवादी गतिविधियों, हिंसा और राजनीतिक हत्याओं में शामिल होने के आरोप लगे थे।

महत्वपूर्ण घटनाचक्र–1607 – उत्तरी अमेरिका में अंग्रेजों ने अपना पहला स्थायी अड्डा स्थापित किया। इसे जेम्स टाउन, वर्जीनिया का नाम दिया गया।
1610– फ्रांस में हेनरी चैथे की हत्या और लुइस तेरहवें फ्रांस की गद्दी पर बैठे।
1702– इंग्लैंड और नीदरलैंड ने फ्रांस और स्पेन के खिलाफ युद्ध की घोषणा की।
1811– पराग्वे स्पेन से मुक्त हुआ।
1878– पहली बार वैसलीन ब्रांड नाम का रॉबर्ट ए चेसब्राफ ने पंजीकरण करवाया।
1879– थॉमस एडिसन यूरोप की एडिसन टेलीफोन कंपनी से जुड़े।
1944– ब्रिटिश सैनिकों ने कोहिमा पर कब्जा किया।
1948– इजराइल ने ब्रिटेन से स्वतंत्रता की घोषणा की।
1955– वारसा संधि पर हस्ताक्षर। सोवियत संघ और पूर्वी यूरोप के उसके सहयोगी देशों ने पोलैंड की राजधानी वारसा में इस संधि पर हस्ताक्षर किए। इसके जरिए सदस्य देशों के बीच आर्थिक, सैनिक और सांस्कृतिक संबंधों के विकास पर सहमति बनी।
1963– कुवैत संयुक्त राष्ट्र का 111 वां सदस्य बना।
1973– अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने सेना में महिलाओं के समान अधिकार को मंजूरी दी।
1984– फेसबुक के संस्थापक मार्क जुकरबर्ग का जन्म।
1991 – दक्षिण अफ्रीका रंगभेद विरोधी नेता नेल्सन मंडेला की पत्नी विनी मंडेला को चार युवकों के अपहरण के मामले में छह साल की सजा सुनाई गई।
1992– भारत ने लिट्टे पर प्रतिबंध लगाया।
1999– पाकिस्तानी पत्रकार जनम सेठी की पत्रिका फ्राइडे टाइम्स की जब्ती, सदी का आखिरी विश्व कप क्रिकेट की लॉडर्स (इंग्लैंड) में शुरुआत।
2001– भारत और मलेशिया में सात समझौते।
2010– भारत–रूस के बीच रक्षा, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, हाइड्रोकार्बन, व्यापार एवं निवेश आदि में 22 समझोते हुए।

सीबीएसई 12वीं का परिणाम घोषित, 85.20 प्रतिशत विद्यार्थी पास, क्षेत्रवार प्रदर्शन में त्रिवेंद्रम क्षेत्र सबसे आगे

नई दिल्ली, 13 मई।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने बुधवार को 12वीं कक्षा का परिणाम घोषित कर दिया। इस वर्ष कुल 85.20 प्रतिशत विद्यार्थी परीक्षा में सफल रहे, जो पिछले साल के मुकाबले 3.19 प्रतिशत कम है। परीक्षा परिणाम में लड़कियों का प्रदर्शन लड़कों से बेहतर रहा है।

बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस वर्ष 17,80,365 विद्यार्थियों ने पंजीकरण कराया था, जिनमें से 17,68,818 विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। इनमें 15,07,109 विद्यार्थी सफल घोषित किए गए। पास प्रतिशत में 3.19 प्रतिशत की कमी आई, जो 2025 के 88.39 प्रतिशत से घटकर 2026 में 85.20 प्रतिशत हो गया।

सीबीएसई के अनुसार लड़कियों का पास प्रतिशत 88.86 रहा, जबकि लड़कों का उत्तीर्ण प्रतिशत 82.13 प्रतिशत दर्ज किया गया। इस तरह लड़कियों ने लड़कों से 6.73 प्रतिशत बेहतर प्रदर्शन किया।

क्षेत्रवार प्रदर्शन में त्रिवेंद्रम क्षेत्र सबसे आगे रहा, जहां 95.62 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए। इसके बाद चेन्नई, बेंगलुरु और विजयवाड़ा क्षेत्र का स्थान रहा। दिल्ली पश्चिम क्षेत्र का परिणाम 92.34 प्रतिशत और दिल्ली पूर्व क्षेत्र का परिणाम 91.73 प्रतिशत रहा। ओवरऑल दिल्ली क्षेत्र का पास प्रतिशत 91.97 प्रतिशत दर्ज किया गया जबकि प्रयागराज में सबसे कम 72.43 प्रतिशत पास प्रतिशत रहा।

विदेश स्थित सीबीएसई स्कूलों का परिणाम 90.50 प्रतिशत रहा। वहीं दिव्यांग (सीडब्ल्यूएसएन) विद्यार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 90.16 प्रतिशत दर्ज किया गया।

बोर्ड ने बताया कि इस वर्ष 1,63,800 विद्यार्थियों को कंपार्टमेंट श्रेणी में रखा गया है, जो कुल परीक्षार्थियों का

9.26 प्रतिशत है। इसके अलावा, 90 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या 94,028 रही, जबकि 95 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले 17,113 विद्यार्थी रहे।

स्कूलों के प्रदर्शन की बात करें तो केंद्रीय विद्यालयों (केवी) का परिणाम सबसे बेहतर रहा, जहां 98.55 प्रतिशत विद्यार्थी सफल हुए। जवाहर नवोदय विद्यालयों (जेएनवी) का परिणाम 98.47 प्रतिशत रहा। सरकारी स्कूलों का 89.55 प्रतिशत, सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों का 86.07 प्रतिशत, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस) का 85.55 और स्वतंत्र स्कूलों का परिणाम 84.22 प्रतिशत दर्ज किया गया है। सीबीएसई ने कहा कि छात्रों की डिजिटल मार्कशीट, माइग्रेशन सर्टिफिकेट और अन्य दस्तावेज डिजिलॉकर के माध्यम से उपलब्ध कराए गए हैं। विद्यार्थी बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट और डिजिलॉकर प्लेटफॉर्म के जरिए अपना परिणाम देख सकते हैं। उल्लेखनीय है कि सीबीएसई की कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से 9 अप्रैल तक आयोजित की गई थीं।

गृह मंत्रालय ने विकसित विलेज प्रोग्राम 2026 के लिए राष्ट्रीय क्विज का किया शुभारंभ

नई दिल्ली, 13 मई।

युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने गृह मंत्रालय के सहयोग से विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम (वीवीवीपी) 2026 के लिए मेरा युवा भारत पोर्टल के माध्यम से राष्ट्रीय क्विज का शुभारंभ किया है। 10 से 20 मई 2026 तक आयोजित इस ऑनलाइन क्विज में देशभर के युवा भाग ले सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य प्रतिभागियों को विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के दृष्टिकोण और उद्देश्यों के बारे में जागरुक करना है, साथ ही राष्ट्र निर्माण और सीमावर्ती समुदायों के विकास में युवाओं की अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

आपको बता दें, यह प्रश्नोत्तरी जून 2026 में आयोजित होने वाले सीमावर्ती गांवों के लिए सहभागिता कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी के लिए चयन का पहला चरण है। युवाओं के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय पहल विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026 का उद्देश्य लेह–लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड सहित रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सीमावर्ती गांवों के विकास के प्रति जागरुकता बढाना और जमीनी स्तर की भागीदारी, सामुदायिक जुड़ाव तथा सांस्कृतिक आदान–प्रदान को मजबूत करना है।

वहीं, यह क्विज प्रतिभागियों के लिए सीमावर्ती गांवों के परिवर्तन, स्थानीय संस्कृति, पर्यावरण के प्रति जागरुकता, शासन संबंधी पहलों, सामुदायिक भागीदारी और सीमावर्ती क्षेत्रों को मजबूत करने की दिशा में सरकार के प्रयासों के बारे में जानने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगी।

क्विज में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों की पात्रता और फिटनेस का मूल्यांकन किया जाएगा, जिसके बाद राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 500 मेरा युवा भारत स्वयंसेवकों का चयन किया जाएगा, जो जून 2026 में आयोजित होने वाले साप्ताहिक विकसित वाइब्रेंट विलेज

प्रोग्राम में भाग लेंगे।

चयनित स्वयंसेवक सीमावर्ती गांवों में जमीनी स्तर के कार्यों और सामुदायिक संपर्क गतिविधियों में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में स्वच्छता अभियान, युवा संवाद कार्यक्रम, पर्यावरण संबंधी पहल, सांस्कृतिक आदान–प्रदान गतिविधियां, जागरुकता अभियान, करियर परामर्श सत्र और जमीनी स्तर के विकास और राष्ट्रीय एकता पर केंद्रित अनुभवात्मक शिक्षण के अवसर शामिल होंगे।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने आई पी कैटलिस्ट और डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया

नई दिल्ली, 13 मई।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में सचिव एस. कृष्णन ने नई दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान एक आई पी कैटलिस्ट और डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया है। सम्मेलन का विषय है–'पेटेंट से उत्पाद तक– इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी में आई पी व्यावसायीकरण में तेजी लाना'। श्री एस. कृष्णन ने कहा कि देश आज विकसित भारत की परिकल्पना की दिशा में नवाचार यात्रा के महत्वपूर्ण मोड़ पर है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025–26 में पेटेंट आवेदनों की संख्या बढ़कर 1.43 लाख से अधिक हो गई, जो इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी क्षेत्र में पेटेंट आवेदनों में 52% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है। यह उपलब्धि भारत के प्रौद्योगिकी और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की बढ़ती ताकत को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि आई पी कैटलिस्ट, प्रोटोटाइप से उत्पाद तक की यात्रा को गति देकर नवाचार को प्रौद्योगिकी, उत्पादों और सामाजिक प्रभाव में परिवर्तित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्रालय ने कहा है कि आईपी कैटलिस्ट का उद्देश्य एक व्यापक डिजिटल इकोसिस्टम को सक्षम बनाना है जो अनुसंधान और आईपी निर्माण से लेकर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, व्यावसायीकरण और बाजार में प्रचलन तक संपूर्ण नवाचार जीवनचक्र का सहयोग करे। साथ ही, यह डिजिटल प्लेटफॉर्म आईपी और व्यावसायीकरण सहायता सेवाओं के लिए एकीकृत ऑनलाइन गेटवे के रूप में कार्य करेगा।

सम्मेलन का विषय है–'पेटेंट से उत्पाद तक: इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी में आई पी व्यावसायीकरण में तेजी लाना'। श्री एस. कृष्णन ने कहा कि देश आज विकसित भारत की परिकल्पना की दिशा में नवाचार यात्रा के महत्वपूर्ण मोड़ पर है। उन्होंने बताया कि वित्त वर्ष 2025–26 में पेटेंट आवेदनों की संख्या बढ़कर 1.43 लाख से अधिक हो गई, जो इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी क्षेत्र में पेटेंट आवेदनों में 52% की उल्लेखनीय वृद्धि दर्शाती है। यह उपलब्धि भारत के प्रौद्योगिकी और नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र की बढ़ती ताकत को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि आई पी कैटलिस्ट, प्रोटोटाइप से उत्पाद तक की यात्रा को गति देकर नवाचार को प्रौद्योगिकी, उत्पादों और सामाजिक प्रभाव में परिवर्तित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्रालय ने कहा है कि आईपी कैटलिस्ट का उद्देश्य एक व्यापक डिजिटल इकोसिस्टम को सक्षम बनाना है जो अनुसंधान और आईपी निर्माण से लेकर प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, व्यावसायीकरण और बाजार में प्रचलन तक संपूर्ण नवाचार जीवनचक्र का सहयोग करे। साथ ही, यह डिजिटल प्लेटफॉर्म आईपी और व्यावसायीकरण सहायता सेवाओं के लिए एकीकृत ऑनलाइन गेटवे के रूप में कार्य करेगा।

ब्रिक्स बैठक के लिए उज्बेकिस्तान, ईरान, कजाकिस्तान के नेता पहुंचे दिल्ली

नई दिल्ली, 13 मई।

ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की 14–15 मई को होने वाली बैठक में भाग लेने के लिए उज्बेकिस्तान के उप विदेश मंत्री अलोएव बखरोमजोन जोराबोएविच, ईरान के उप विदेश मंत्री डॉ. काजेम गरीबाबादी, कजाकिस्तान के प्रथम उप विदेश मंत्री येरजहान अशिकबायेव और नाइजीरिया के विदेश मंत्रालय के स्थायी सचिव डुनोमा उमर अहमद बुधवार को यहां पहुंचे।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अलग–अलग एक्स पोस्ट में इन अधिकारियों के आगमन की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने ईरान के उप विदेश मंत्री डॉ. काजेम गरीबाबादी से द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की। उज्बेकिस्तान, कजाखस्तान और नाइजीरिया के अधिकारियों का भी यहां आगमन पर स्वागत किया गया।

उल्लेखनीय है कि ये सभी नेता ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों की 14–15 मई को नई दिल्ली में होने वाली दो दिवसीय बैठक में भाग लेने के लिए भारत आए हैं। बैठक की अध्यक्षता विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर करेंगे। इसमें ब्राजील, रूस, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथोपिया और इंडोनेशिया के विदेश मंत्री शामिल होंगे। इसमें चीन का शेरपा प्रतिनिधिमंडल भाग लेगा।

बैठक के दौरान ब्रिक्स सदस्य देशों के विदेश मंत्री आपसी हित के वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर विचारों का आदान.प्रदान करेंगे। कार्यक्रम के तहत 14 मई को दोपहर एक बजे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ 'सेवा तीर्थ' में सभी विदेश मंत्रियों की संयुक्त मुलाकात होगी। इसके बाद 3 बजकर 10 मिनट पर दूसरे सत्र की शुरुआत होगी और शाम 7 बजे भारत मंडपम में डॉ जयशंकर की ओर से रात्रिभोज का आयोजन होगा। अगले दिन 15 मई को सुबह 10 बजे तीसरे सत्र की शुरुआत होगी।

'शब्द' पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

बेंगलुरु, 13 मई।

बेंगलुरु के हिंदी रचनाकारों की प्रसिद्ध संस्था शब्द ने उत्कृष्ट साहित्य लेखन और हिंदी के संवर्द्धन के लिए शुरू किए गए अपने दो वार्षिक पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित की है। इनमें पहला पुरस्कार एक लाख रुपये का 'अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान' है। यह सम्मान देश के किन्हीं एक मूर्द्धन्य साहित्यकार को दिया जाता है। पच्चीस हजार रुपये का दूसरा पुरस्कार दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान है। इसे दक्षिण भारत में हिंदी भाषा और साहित्य के संवर्द्धन में उल्लेखनीय योगदान के लिए किन्हीं एक विशिष्ट हिंदी सेवी को प्रदान किया जाता है। शब्द के अध्यक्ष डॉ. श्रीनारायण समीर ने आज जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी।

विज्ञप्ति के अनुसार अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान–2026 के लिए योग्य रचनाकार का चयन देश के प्रतिष्ठित साहित्यकारों, संपादकों, विद्वानों, प्रकाशन संस्थानों से अनुशंसित रचनाकारों के साहित्यिक अवदान और विगत तीन वर्षों (2023 से 2025) में प्रकाशित उनकी कृतियों के पारदर्शी मूल्यांकन के आधार पर किया जाएगा। प्रस्तावित प्रविष्टि में रचनाकार का नाम और संपर्क पता (मोबाइल नंबर, ई–मेल आईडी सहित), विगत तीन वर्षों में प्रकाशित पुस्तक का विवरण और उसकी विशेषता (प्रकाशक का नाम और पता, मोबाइल फोन, ई–मेल आई डी सहित) और रचनाकार के समग्र अवदान का संक्षिप्त विवरण (अधिकतम 200 शब्दों में) अपेक्षित होगा। प्रविष्टि के साथ संबंधित पुस्तक की चार प्रतियां भेजना जरूरी होंगी।

आयात शुल्क को लगभग 15% किए जाने के बाद सोने और चांदी की कीमतों में 6% से अधिक की वृद्धि

नई दिल्ली, 13 मई।

सोने और चांदी की कीमतों में आज 6% तक का भारी उछाल देखा गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज के वायदा बाजार में, जून अनुबंध के तहत सोना लगभग 6% बढ़कर 1 लाख 62,597 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था, जबकि जुलाई अनुबंध के तहत चांदी लगभग 6.4 प्रतिशत बढ़कर 2 लाख 96,821 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, दिन के दौरान सोने और चांदी की कीमतों में आठ प्रतिशत तक की वृद्धि दर्ज की गई। सरकार ने सोने और चांदी पर आयात शुल्क 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया

है। प्लैटिनम पर आयात शुल्क भी 6.4 प्रतिशत से बढ़ाकर 15.4 प्रतिशत कर दिया गया है। इससे पहले, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने पश्चिम एशिया में चल रहे संकट के चलते लोगों से सोने की खरीदारी से बचने की अपील की थी।

दुनिया का अनोखा शहर जहां अगले 84 दिनों तक नहीं होगी रात, 2 अगस्त को डूबेगा सूरज

नई दिल्ली, 13 मई।

कल्पना कीजिए एक ऐसे शहर की, जहां रात का अंधेरा महीनों तक अपना चेहरा ही न दिखाए और रात के 12 बजे भी तेज धूप खिली हो! जी हां, यह किसी साइंस फिक्शन फिल्म की कहानी नहीं, बल्कि अमेरिका के अलास्का में स्थित उल्कियागविक(Utqiagvik) शहर की हकीकत है।

यह शहर इन दिनों एक बेहद हैरान कर देने वाली खगोलीय घटना का गवाह बन रहा है। दरअसल, अगले 84 दिनों तक यहां सूरज ढलेगा ही नहीं। यानी लगातार लगभग तीन महीने तक यहां के लोग रात का अंधेरा नहीं देख पाएंगे। है ना हैरान करने वाला? आइए समझते हैं कि इस रहस्यमयी घटना के पीछे छिपा विज्ञान।

खगोलीय गणनाओं के अनुसार, उल्कियागविक में 2 अगस्त तक सूरज नहीं डूबेगा। इस घटना को मिडनाइट सन कहा जाता है। इसके पीछे की वजह यह है कि पृथ्वी अपने एक्सिस पर 23.5 डिग्री झुकाव है। इस वजह से सूरज क्षितिज के नीचे नहीं जाएगा।

अब क्योंकि यह शहर नॉर्थ पोल के बेहद करीब स्थित है, इसलिए गर्मियों के दौरान पृथ्वी का उत्तरी सिरा सूरज की ओर झुका रहता है। इस झुकाव की वजह से आर्कटिक सर्कल के भीतर आने वाले क्षेत्रों में सूरज 24 घंटे आसमान में ही दिखाई देता है। इसी वजह से यहां दिन और रात का अंतर खत्म हो जाता है और पूरा शहर चौबीसों घंटे रोशनी में नहाया रहता है।

आमतौर पर हमें लगता है कि जहां सूरज 24 घंटे चमकेगा, वहां भयंकर गर्मी होगी, लेकिन उल्कियागविक के मामले में ऐसा नहीं है। हैरान करने वाली बात यह है कि लगातार धूप रहने के बावजूद यहां जुलाई के महीने में भी औसत तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से कम ही रहता है। इसका कारण सूरज की किरणों का बहुत तिरछा पड़ना

और पोलर रीजन की अपनी ठंडी जलवायु है।

जब सूरज कभी ढलता ही नहीं, तो शरीर के बायोलॉजिकल क्लॉक को समझ नहीं आता कि सोने का समय हो गया है। यहां रहने वाले स्थानीय लोग सोने के लिए खास ब्लैक आउट पर्दों का इस्तेमाल करते हैं। ये पर्दे खिड़कियों से आने वाली रोशनी को पूरी तरह रोक देते हैं, जिससे कमरे के अंदर रात जैसा अंधेरा हो सके और लोग शांति से सो सकें।

गर्मियों का यह उजाला हमेशा के लिए नहीं रहता। प्रकृति यहां अपना संतुलन बनाने के लिए साल के दूसरे हिस्से में बिल्कुल उल्टी स्थिति पैदा करती है। नवंबर से जनवरी के बीच यहां पोलर नाइट का दौर आता है। उस दौरान सूरज कई हफ्तों तक नहीं उगता और शहर पूरी तरह अंधेरे की चादर में लिपटा रहता है।

उल्कियागविक के अलावा दुनिया के और भी कुछ जगहों में भी इस तरह के लंबे सनसेट या सनराइज देखने को मिलते हैं– नॉर्वे– इसे लैंड ऑफ मिडनाइट सन कहा जाता है। यहां महीनों तक सूरज नहीं डूबता।
आइसलैंड और ग्रीनलैंड– यहां भी आर्कटिक सर्कल के करीब होने के कारण गर्मियों में रातें बहुत छोटी या गायब हो जाती हैं।

इनफिनिट स्क्रॉल से ऑटो–प्ले तक, सोशल मीडिया बच्चों को स्क्रीन से चिपकाए रखता है, जानें माता–पिता क्या करें?

नई दिल्ली, 13 मई।

आजकल के समय में मोबाइल फोन एक बड़ी जरूरत बन चुका है लेकिन परेशानी तब आती है, जब कम उम्र में इसकी जद में बच्चे व युवा पीढ़ी आ जाती है। कड़वी सच्चाई है कि बच्चों को फोन से अलग करना मुश्किल हो गया है। वे घंटों स्क्रॉल करते रहते हैं। क्या आप जानते हैं कि यह कोई संयोग नहीं है? सोशल मीडिया ऐप्स को जानबूझकर ऐसे डिजाइन किया गया है कि बच्चे लगातार उन पर बने रहें।

यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रेंस इमरजेंसी फंड (यूनिसेफ) इस बारे में डिजिटल पेरेंटिंग एक्सपर्ट डॉ. जैकलीन नेसी के हवाले से विस्तार से जानकारी देता है। डॉ. जैकलीन नेसी बताती हैं कि सोशल मीडिया कंपनियां कई खास फीचर्स का इस्तेमाल करती हैं, जो बच्चों और बड़ों को स्क्रीन से चिपकाए रखते हैं। इनमें सबसे आम हैं इनफिनिट स्क्रॉल यानी ऐसी फीड जो कभी खत्म नहीं होती, ऑटो–प्ले मतलब कि वीडियो अपने आप चलते रहते हैं और नोटिफिकेशन, लाइक्स, व्यूज और स्ट्रीक्स जैसी गिनती वाले फीचर्स। इनकी वजह से बच्चे बार–बार ऐप खोलते रहते हैं और समय का पता ही नहीं चलता।

एक्सपर्ट बताते हैं कि सोशल मीडिया का एल्गोरिदम बहुत चालाक तरीके से काम करता है। यह देखता है कि आप कौन से वीडियो ज्यादा देर तक देखते हैं, कौन सी पोस्ट पर रुकते हैं। फिर उसी तरह का और ज्यादा कंटेंट आपके सामने लाता है। इसका मकसद सिर्फ एक है– आप जितना ज्यादा समय प्लेटफॉर्म पर बिताएं, उतना बेहतर। हालांकि, ये एल्गोरिदम बच्चों की भलाई को ध्यान में रखकर नहीं बनाए जाते, बल्कि उनकी भागीदारी बढ़ाने के लिए बनाए जाते हैं।

अब सवाल है कि बच्चे इसमें क्यों ज्यादा फंस जाते हैं? तो एक्सपर्ट बताते हैं कि बच्चों और किशोरों का दिमाग अभी विकसित हो रहा होता है। उनमें खुद पर कंट्रोल करने की क्षमता पूरी तरह नहीं आई होती। वे सोशल रिवार्ड्स जैसे लाइक्स और कमेंट्स के प्रति बहुत संवेदनशील होते हैं। अगर दोस्त सोशल मीडिया पर एक–दूसरे से बात कर रहे हैं और बच्चा उसमें शामिल नहीं है तो उसे अकेलापन

महसूस होता है। इसलिए वे ऐप छोड़ पाने में मुश्किल महसूस करते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य पर इसका गहरा असर पड़ता है। सोशल मीडिया का असर हर बच्चे पर अलग–अलग होता है। कुछ बच्चे जो पहले से भावनात्मक रूप से संवेदनशील हैं, उन्हें ज्यादा नुकसान हो सकता है। वहीं, कुछ बच्चे सही मार्गदर्शन के साथ इसका सकारात्मक इस्तेमाल भी कर सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ी समस्या यह है कि सोशल मीडिया नींद, खेलकूद, पढ़ाई और असली जीवन के रिश्तों की जगह लेने लगता है।

अगर बच्चा सोशल मीडिया की वजह से नींद नहीं ले पा रहा, होमवर्क अधूरा छोड़ रहा, परिवार के साथ समय नहीं बिता रहा या स्कूल में ध्यान नहीं दे पा रहा है, तो यह चिंता की बात है।

ऐसे में डॉ. जैकलीन नेसी माता–पिता को तीन मुख्य सुझाव देती हैं– पहला खुलकर बात करें– बच्चे से बिना डांटे पूछें कि उन्हें सोशल मीडिया पर इतना समय क्यों बिताना अच्छा लगता है। इन ऐप्स के डिजाइन ट्रिक्स के बारे में भी समझाएं। दूसरा है सीमाएं तय करें–स्क्रीन टाइम की लिमिट रखें और परिवार के साथ समय बिताने को प्राथमिकता दें। तीसरा है रोल मॉडल बनें यानी खुद भी फोन का संतुलित इस्तेमाल करें।

एक्सपर्ट का मानना है कि सोशल मीडिया पूरी तरह से बुरा नहीं है, लेकिन इसके इस्तेमाल पर नजर रखना जरूरी है। इसमें माता–पिता को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए ताकि बच्चे स्वस्थ और संतुलित जीवन जी सकें।–आईएएनएस